पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सलमान खान को मिला दिल्ली हाईकोर्ट से नोटिस

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 | अंक : 271 | शुक्रवार 23 जनवरी 2026 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. | Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com | FOLLOW US | GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर में होगा OBC महापौर

शिवसेना का होगा महापौर

उल्हासनगर में महापौर पद के लिए मराठी व सिंधी नामों पर चर्चा

- OBC नगरसेवकों की लगी लाटरी
- महापौर पद किसी महिला को मिलने की संभावना
- उल्हासनगर में शिंदे गुट में रस्साकशी

उल्हासनगर। उल्हासनगर महानगरपालिका के 40 शिवसेना के नगरसेवकों ने कोंकण भवन में अपना पंजीकरण कर बहुमत की ताकत दिखा दी है। इससे यह साफ है कि अगला महापौर शिवसेना का ही होगा। कल मंत्रालय में हुए महापौर आरक्षण ड्रॉ में यह ऐलान किया गया है कि उल्हासनगर के महापौर का पद 'ओबीसी' कैटेगरी के लिए रिजर्व कर दिया गया है। इस फैसले से उल्हासनगर के राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है, और सत्ताधारी शिंदे गुट में महापौर पद की दौड़ तेज हो गई है। मनपा में मौजूदा ताकत को देखते हुए, शिवसेना (शिंदे गुट) अपना मेयर बनाने की स्थिति में है। इसलिए, जैसे ही रिजर्वेशन का ऐलान हुआ, पार्टी के इच्छुक उम्मीदवारों ने मोर्चा बनाना शुरू कर दिया है। इस साल मनपा के 20 पैनलों की 78 सीटों में से 21 सीटें OBC कैटेगरी के लिए आरक्षित थीं। इन 21 सीटों पर चुने गए 21 पार्षदों में से 11 महिलाएं हैं। इसलिए, इस बात की पूरी संभावना है कि OBC महिला लीडरशिप को मौका मिलेगा।

OBC रिजर्वेशन तय होने के बाद शिंदे गुट के कई दिग्गजों के नाम चर्चा में आ गए हैं। इसमें महिला और पुरुष दोनों के बीच कांटे की टक्कर है। महिलाओं में राजश्री चौधरी, इंदिरा पाटिल, जोत्सना जाधव, अश्विनी निकम, डिंपल ठाकुर, वंदना भदाने, जबकि पुरुषों में राजेश चंपुर, दिलीप जग्यासी, विक्की लबाना मुख्य दावेदार माने जा रहे हैं। राजनीतिक चर्चाएं फिलहाल इन्हीं नौ नामों के इर्द-गिर्द घूम रही हैं, और सबका ध्यान इस बात पर है कि सीनियर लेवल पर किसका नाम पक्का होगा।

ओबीसी कैटेगरी में चुने गए नगरसेवक

शिवसेना के सीनियर पदाधिकारी राजेंद्र चौधरी, राजश्री चौधरी, ज्योत्सना जाधव, वंदना भदाने, राजेश चंपुर, इंदिरा पाटिल नगरसेवक चुने गए हैं। टीम ओमी कालानी के शिवसेना चिन्ह से अश्विनी निकम, दिलीप जग्यासी, विक्की लबाना, डिंपल ठाकुर भी चुने गए हैं। साई पक्ष की दीप्ति दुधानी OBC कैटेगरी से चुनी गई हैं। इनमें राजेंद्र चौधरी और राजश्री चौधरी के नाम चर्चा में हैं। चौधरी परिवार कई सालों से शिवसेना के साथ है और शिवसेना का चेहरा माना जाता है। हालांकि, चूंकि उन्हें पहले ही मौका मिल चुका है, इसलिए उनके नामों का विरोध हो सकता है। बहुत पढ़ी-लिखी और एजुकेशन सेक्टर में काम करने वाली वंदना भदाने, ज्योत्सना जाधव, राजेश चनपुर के नाम भी चर्चा में हैं।

उल्हासनगर मनपा में सबसे ज्यादा 10 OBC नगरसेवक BJP से चुने गए। जबकि शिंदे की शिवसेना से 9 नगरसेवक चुने गए। साईं पार्टी और वंचित बहुजन अघाड़ी से एक-एक OBC कॉर्पोरेटर चुने गए। मेयर पद के लिए हुए आरक्षण ड्रॉ में उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर का पद पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिए रिजर्व किया गया है।

सांसद श्रीकांत शिंदे ने उल्हासनगर मनपा में सरकार बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। इसलिए मेयर के चुनाव में उनकी भूमिका अहम होगी। इस बात पर भी चर्चा है कि मेयर पद के लिए मराठी या सिंधी चेहरा होगा। इसलिए, इस बात को लेकर उत्सुकता है कि उल्हासनगर का नया मेयर कौन होगा।

हाजीमलंग यात्रा के दौरान शांति बनाए रखें

- पुलिस प्रशासन की अपील
- 2 फरवरी को हाजीमलंग उर्स

उल्हासनगर. 2 फरवरी को होने वाली हाजीमलंग उत्सव यात्रा को देखते हुए, उल्हासनगर पुलिस परिमंडल 4 के डिप्टी कमिश्नर सचिन गोरे ने शांति और व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने यह अपील ठाकरे ग्रुप के साथ हुई मीटिंग में की। इस समय असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर शैलेश काले और हिललाइन पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर संदीप शिवले मौजूद थे।

पिछले साल, हाजीमलंग उत्सव यात्रा के दौरान एक शाखा प्रमुख ने नारे लगाए थे जिससे तनाव पैदा हो गया था। इस मामले में, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संबंधित लोगों को गिरफ्तार किया था। सचिन गोरे ने ठाकरे ग्रुप के पदाधिकारियों से अपील की कि वे यह पक्का करें कि इस साल ऐसी घटना दोबारा न हो और यात्रा सम्मानजनक और शांतिपूर्ण तरीके से हो।

मीटिंग में कल्याण जिला प्रमुख शरद पाटिल, उप जिला प्रमुख राजेंद्र शाहू और भीमसेन मोरे, विधानसभा प्रमुख नारायण पाटिल, महिला आघाड़ी संघटक जया तेजी, हाजीमलंग तालुकाप्रमुख सुरेश पाटिल, अंबरनाथ शहर प्रमुख अभिजीत काले, संदीप पगारे, म्हारल शहर प्रमुख प्रकाश चौधरी, उल्हासनगर शहर प्रमुख शिवाजी जवाले, उपशहर प्रमुख दिलीप मिश्रा, साथ ही पदाधिकारी रामदास ढोने वगैरह शामिल हुए।

हाजीमलंग उत्सव यात्रा के दौरान किसी भी अनहोनी या अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। यात्रा के लिए 700 पुलिस कर्मियों और 50 अधिकारियों की फोर्स तैनात की गई है।
– **सचिन गोरे**, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस

...तो मनपा में कोई विरोधी दल नहीं बचेगा

उल्हासनगर. जैसे ही यह संकेत मिला कि उल्हासनगर मनपा के नतीजों के बाद महायुति का मेयर तय होगा, शहर में एक गंभीर सवाल उठ रहा है, 'क्या उल्हासनगर मनपा में कोई विरोधी दल नहीं बचेगा?'। सत्ता का पलड़ा एक तरफ झुकने से आम नागरिक अब खुलकर लोकतंत्र का संतुलन खोने का डर जाहिर कर रहे हैं।

इस साल के मनपा चुनाव में दो बड़ी पार्टियां, BJP और शिवसेना (शिंदे ग्रुप) एक-दूसरे के खिलाफ लड़ीं। वोटों की गिनती के बाद आए नतीजों ने संख्या बल साफ कर दिया। खास बात यह है कि राकांपा, ठाकरे ग्रुप, MNS और RPI (A) का एक भी उम्मीदवार नहीं चुने जाने से राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा खालीपन पैदा हो गया। नतीजों के बाद जब इस बात पर चर्चा चल रही थी कि महापौर किस पार्टी का होगा, तब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने साफ-साफ ऐलान कर दिया कि 'महापौर महायुति से ही होगा।' इस ऐलान से सरकार बनने का रास्ता तो साफ हो गया है, लेकिन शहर में डेमोक्रेटिक सिस्टम पर सवालिया निशान लग गया है।

नागरिकों के मुताबिक, अगर महायुति बनी तो मनपा में कोई असरदार विपक्षी पार्टी नहीं रहेगी। अगर विपक्ष नहीं होगा तो एडमिनिस्ट्रेशन को कंट्रोल में रखने वाला सिस्टम कमजोर हो जाएगा, सवाल-जवाब के प्रोसेस की धार कुंद हो जाएगी और ट्रांसपेरेंसी की उम्मीद धुंधली हो जाएगी।

एक काबिल विपक्ष तो होना ही चाहिए

हालांकि डेवलपमेंट के लिए एक स्टेबल सरकार ज़रूरी है, लेकिन विपक्ष डेमोक्रेसी की रीढ़ है। अलग-अलग प्रस्तावों पर एतराज़, खर्च पर कंट्रोल और काम की क्वालिटी पर नज़र रखने समेत इन सभी मुद्दों के लिए असरदार विपक्ष जरूरी है। सोशल एक्टिविस्ट और सिविक ऑर्गनाइजेशन का कहना है कि नागरिकों का मानना है कि 'डेवलपमेंट ज़रूरी है, लेकिन सवाल पूछे बिना नहीं'।

रेलवे पादचारी पुल पर की गई सफाई

खबर का असर

- पानी डालकर धोया गया
- पुल पर फेरीवालों का बढ़ा आतंक

अंबरनाथ. अंबरनाथ में बने पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाले पादचारी पुल बना डंपिंग मैदान इस शीर्षक से दैनिक उल्हास विकास में खबर छपने के दूसरे दिन पुल पर से कचरा उठा कर एवं झाड़ू लगाकर सफाई की गई. ये कार्य रेल प्रशासन और अंबरनाथ नपा स्वच्छता विभाग की ओर से किया गया. लेकिन पुल पर जगह-जगह पान की पिचकारी से पड़े लाल निशान एवं फेरीवालों द्वारा फेंके गए कचरे के गंदे काले निशान बाकी रह गए थे.

शहर पूर्व के नवनिर्वाचित नगरसेवक निखिल सुनिल चौधरी ने इस पुल को पाइप के पानी से धोकर साफ कराया. जिसके कारण इस पुल पर गंदगी पूरी तरह नहीं के बराबर है.

विदित हो कि भारतीय नव वर्ष स्वागत यात्रा समिति अंबरनाथ के पदाधिकारियों ने 19 जनवरी को मध्य रेल के स्टेशन मास्टर एवं अंबरनाथ नपा प्रशासन को निवेदन देकर पुल पर से कचरे को हटाने एवं स्वच्छता के लिए कहा था.

20 जनवरी को हमने ये खबर प्रकाशित करने के बाद प्रशासन एवं नगरसेवक निखिल चौधरी ने मिलकर स्वच्छता की है. अब ये पुल एकदम साफ हो गया है. लेकिन पुल पर अवैध फेरीवालों का आतंक बहुत ज्यादा बढ़ गया है. इसका भी प्रबंध करना जरूरी हो गया है.

उल्हासनगर की राजनीति में चाणक्य की भूमिका निभाने वाले

सुमित चक्रवर्ती को स्वीकृत नगरसेवक बनाने की मांग

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में होने वाले सभी चुनाव में चाणक्य की भूमिका निभाने वाले उद्योगपति सुमित चक्रवर्ती को स्वीकृत नगरसेवक बनाने की मांग ने जोर पकड़ा है। 2017 के मनपा चुनाव में भी उन्हें कालानी द्वारा वादा किया गया था कि उन्हें स्वीकृत नगरसेवक बनाया जाएगा लेकिन उन्हें अंत समय तक न देते हुए मनोज लासी को पद दिया गया। इस बार के चुनाव में भी मनोज लासी की हार हुई है। ऐसे में स्वीकृत नगरसेवक की दौड़ में सुमित चक्रवर्ती अनुभवी और योग्य के तौर पर माने जाते हैं।

उद्योगपित सुमित चक्रवर्ती ने अपने पुत्र आकाश चक्रवर्ती को जीताकर कीर्तिमान बनाया है और साथ में अन्य सीटों को भी जीताने में अपना योगदान दिया है। उल्हासनगर ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित चक्रवर्ती पिछले कई वर्षों से पप्पू कालानी व ओमी कालानी के जुड़े हुए हैं। ओमी कालानी को पहली बार नगरसेवक पद के चुनाव जीताने में सुमित चक्रवर्ती ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने कालानी के समर्थन में हर विधानसभा चुनाव के साथ-साथ भाजपा को शिकस्त देने में भी निर्णायक भूमिका निभाई है। शिवसेना के साथ दोस्ती गठबंधन में भी श्री चक्रवर्ती का बड़ा सहयोग रहा है। मनपा चुनाव, सभापति चुनाव, महापौर चुनाव, विधानसभा चुनाव अथवा सांसद चुनाव हर चुनाव में सुमित चक्रवर्ती अपनी भूमिका में खड़े उतरे हैं। आज उनके साथ हजारों की संख्या में समर्थकों का काफिला है जो चुनावों में मददगार साबित हुआ है। सुमित चक्रवर्ती के हर पक्ष के नेताओं से अच्छे संबंध में है। सिंधी समाज व व्यापारियों के साथ भी मधुर संबंध होने के कारण आगामी स्वीकृत नगरसेवक के लिए उनके नाम की चर्चा जोरों पर चल रही है। शहर विकास का विजन रखने वाले सुमित चक्रवर्ती को स्वीकृत नगरसेवक बनाने की मांग उनके समर्थकों ने सांसद श्रीकांत शिंदे से की है।

उल्हास नदी पर अंदरूनी जलमार्ग बनाने का प्रस्ताव

- पूर्व मेयर राम पाटकर ने केंद्र को सौंपा

बदलापुर. बदलापुर के पूर्व मेयर और BJP राज्य समिति के सदस्य राम पाटकर ने उल्हास नदी पर अंदरूनी जलमार्ग बनाने के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव केंद्रीय पोर्ट्स, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय को सौंपा है। पाटकर ने बताया कि केंद्र सरकार टेक्निकल रिपोर्ट देखने और जलमार्ग अथॉरिटी, ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड से चर्चा करने के बाद इस प्रस्ताव पर फैसला लेगी।

उल्हास नदी को पहले ही नेशनल जलमार्ग नंबर 53 घोषित किया जा चुका है। इसी पृष्ठभूमि में, राम पाटकर ने 8 जनवरी को केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनेवाल को उल्हास नदी पर जल परिवहन शुरू करने के संबंध में एक प्रस्ताव सौंपा। राम पाटकर ने कहा कि प्रस्ताव में वांगनी से कल्याण-उल्हास खाड़ी तक एक स्ट्रक्चर्ड जल परिवहन सिस्टम स्थापित करने के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) को मंजूरी देकर वित्तीय सहायता मांगी गई है।

इस प्रपोज़ल में नदी की ड्रेजिंग, एक नेविगेबल वॉटरवे बनाए रखना, पैसेंजर और कार्गो जेटी बनाना, नेविगेशन और सेफ्टी सिस्टम लगाना, और पैसेंजर और कार्गो फेरी सर्विस शुरू करना शामिल है। उल्हास नदी को 2016 में नेशनल वॉटरवेज़ एक्ट के तहत नेशनल वॉटरवे घोषित किया गया था। उस समय, इनलैंड वॉटरवेज़ अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया ने एक शुरुआती स्टडी की थी। लिमिटेड कार्गो ट्रैफिक के कारण अगले स्टेप्स को टाल दिया गया था। हालांकि, अब एक नई स्टडी चल रही है, और ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड इस वॉटरवे की फ़ीज़िबिलिटी का रिव्यू कर रहे हैं। पाटकर ने यह भी भरोसा जताया कि यह प्रोजेक्ट न केवल एक भरोसेमंद ट्रांसपोर्ट ऑप्शन देगा, बल्कि इकोनॉमिक डेवलपमेंट, टूरिज़्म को बढ़ावा देने और रोज़गार पैदा करने में भी मदद करेगा।

KDMC का महापौर पद ST के लिए आरक्षित

- आरक्षण की घोषणा के बाद अनेक दिग्गजों के सपनों पर फिरा पानी

कल्याण. राज्य की 29 महानगर पालिकाओं के महापौर पद के लिए आरक्षण घोषित हो गया। आरक्षण की लॉटरी में कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका का महापौर पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए आरक्षित रखा गया है। शिवसेना (शिंदे) के किरण भांगले और हर्षाली थविल यह दो नगरसेवक एसटी वर्ग से चुनाव जीते हैं, इसलिए महापौर पद के लिए इन दो में से किसी एक की लॉटरी लग सकती है। हर्षाली थविल दूसरी बार नगरसेवक का चुनाव जीत चुकी है। आरक्षण में एसटी वर्ग आने से हर्षाली थविल महापौर पद की रेस में आ गई है। जबकि पार्टी कार्यकर्ता के रूप में शाखा की जिम्मेदारी संभालने वाले किरण भांगले पहली बार नगरसेवक बने है। साथ ही पहली ही जीत में किरण भांगले महापौर पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

आरक्षण की घोषणा होने के बाद महापौर पद की आस लगाए बैठे, कल्याण-डोंबिवली के कई दिग्गजों के सपनों पर पानी फिर गया है, और वे महापौर की रेस से बाहर हो गए हैं। अब शिवसेना (शिंदे) और भाजपा के यहीं दिग्गज नेताओं की नजर मनपा की तिजोरी कही जाने वाली स्थायी समिति के सभापति की कुर्सी पर बनी है।

खुलेआम हो रही बिजली चोरी

- लाइन मेन से लेकर कार्यकारी अभियंता तक पहुंच रहा हफ्ता

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर में इन दिनों विद्युत विभाग में भारी भ्रष्टाचार सामने आ रहा है। एक तरफ बिजली बिलों में हुई बढ़ोत्तरी से लोग परेशान हैं तो वहीं बिजली चोरी के मामलों में भी काफी वृद्धि हुई है। खबर मिली है कि उल्हासनगर रेलवे स्टेशन पूर्व में स्थित आदर्श नगर में खुलेआम बिना मीटर के करीबन 30 से 40 घरों व दुकानों में बिजली चोरी हो रही है। विभाग में शिकायत के बावजूद यहां पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। लोगों का कहना है कि शिकायत के कुछ नहीं होगा क्योंकि लाईन मैन से अभियंता तक सब सेट हैं। वहीं आम नागरिकों में नाराजगी है कि अगर एक माह का बिल नहीं भरे तो बिजली विभाग बिजली काटने आ जाता है और यहां बिजली चोरी को खुली छूट दिए हुए हैं। समाजसेविका लता प्रकाश भोसले ने लिखित रूप से इस चोरी की शिकायत की है लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है।

कल्याण स्टेशन परिसर में रिक्शा वालों की दादागिरी

- रोज़ हो रहे हैं झगड़े, यात्री परेशान

कल्याण. कल्याण रेलवे स्टेशन इलाके में रिक्शा वालों की दादागिरी एक बार फिर सामने आई है और बिना इजाज़त के पार्क किए गए रिक्शा को हटाने को लेकर हुआ झगड़ा पूरी तरह से मारपीट में बदल गया है। व्यस्त सड़क पर दो रिक्शा वालों के बीच हुई इस लड़ाई से कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया था। गौरतलब है कि पुलिस के सामने यह पूरी घटना होने के बाद, बहस कर रहे रिक्शा वालों को पुलिस ने शांत कराया।

कल्याण स्टेशन एमएमआर रीजन का एक बहुत ज़रूरी रेलवे स्टेशन है और यहाँ रोज़ लाखों यात्री आते-जाते हैं। स्टेशन के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में बड़ी संख्या में रिक्शा हैं। हालाँकि, यह लगातार देखा जाता है कि कई रिक्शा वाले अपने रिक्शा को ऑथराइज़्ड रिक्शा स्टॉप के बजाय सीधे मेन रोड, चौक या स्टेशन के प्रवेश द्वार के सामने पार्क कर देते हैं। इससे ट्रैफिक जाम, एक्सीडेंट का खतरा और यात्रियों को बहुत परेशानी हो रही है।

इस मामले में, कुछ रिक्शा चालकों ने गैर-कानूनी तरीके से पार्क किए गए रिक्शा को हटाने को लेकर शुरू में तो कहासुनी हुई, लेकिन कुछ ही देर में बहस हाथ से निकल गई और दोनों रिक्शा चालकों के बीच जमकर मारपीट हुई। बात गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और मारपीट तक पहुंच गई। खास बात यह है कि यह पूरी घटना एक व्यस्त मेन रोड पर हुई, इसलिए कुछ देर के लिए ट्रैफिक पूरी तरह से बाधित हो गया। मौके पर मौजूद पुलिस ने बीच-बचाव करके स्थिति को काबू में करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने सीधे कार्रवाई करने के बजाय बीच-बचाव करते हुए दोनों पक्षों को समझा दिया।

पुलिस का डर हो चुका है खत्म

इस पूरी घटना का वीडियो कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन से बना लिया और यह आजकल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ट्रैफिक एक्सपर्ट्स के मुताबिक, स्टेशन एरिया में रिक्शा चलाने का कोई डिसिप्लिन्ड सिस्टम न होने की वजह से ऐसी घटनाएं अक्सर हो रही हैं। ऑफिशियल रिक्शा स्टॉप को साफ तौर पर तय करना, CCTV से लगातार नजर रखना और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई करना जरूरी है। हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि असल में नियम लागू नहीं होने से रिक्शा चालकों में पुलिस का डर खत्म हो गया है। बताया जा रहा है कि इस घटना के बाद सीनियर पुलिस अधिकारियों ने जानकारी ली है। पुलिस ने भरोसा दिया है कि वायरल वीडियो की जांच के बाद ज़रूरी कार्रवाई की जाएगी।

व्यवसायी रमाकांत पांडेय का निधन

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पुराने व्यवसायी रमाकांत पांडेय का बुधवार रात में निधन हो गया. वह 82 वर्ष के थे. गत कुछ दिनों से वे बीमार चल रहे थे. वह ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी प्रमोद पांडेय के पिता थे. उनके निधन पर महंत तेजनारायण दास गुरु महंत श्यामलदास, शिवसेना उत्तर भारतीय शहर अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे, ज्ञानधर मिश्रा आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है. रमाकांत पांडेय का अंतिम संस्कार गुरुवार सुबह में शहर पश्चिम के कैलाश नगर श्मशान में किया गया. उस समय उत्तर भारतीय समाज एवं शहर के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

दिल्ली में इलाज से पहले मौत

बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपचार की किफायती और सुलभ सुविधाएं मनुष्य की बुनियादी जरूरत है। इनमें चिकित्सक की उपलब्धता, समय पर सस्ते दामों में दवाएं मुहैया कराना और आपातकालीन देखभाल शामिल हैं, ताकि लोगों का जीवन सुरक्षित रहे। अगर व्यवस्था में इन जरूरी सुविधाओं का अभाव हो, तो विकास के दावों का कोई औचित्य नहीं रह जाता है।

देश की राजधानी दिल्ली की एक ऐसी ही तस्वीर सामने आई है। दिल्ली सरकार की जन्म और मृत्यु पंजीकरण पर वार्षिक रपट के मुताबिक, वर्ष 2024 में राष्ट्रीय राजधानी में एक लाख उनचालीस हजार से अधिक लोगों की मौत हुई, जिनमें से 34.84 फीसद लोगों की मौत घर पर ही हुई। सवाल है कि आज के दौर में जब लोग मामूली तकलीफ होने पर भी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों का रुख करते हैं, तो ऐसी क्या वजह है कि इतनी बड़ी संख्या में मौत घर पर ही हो जाती है? जाहिर है, इसके पीछे स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव और आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता समय पर न मिलना भी एक बड़ा कारण हो सकता है।

इस बात पर गौर करना जरूरी है कि आने वाले दिनों में भारत के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाने के दावों के बीच अगर चिकित्सा सहायता न मिलने से लोगों की जान जा रही है, तो यह पूरी व्यवस्था पर सवाल है। हैरत की बात है कि आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का दम भरने वाली दिल्ली के लोग स्वास्थ्य को लेकर आपात परिस्थिति में खुद को असहाय महसूस करते हैं।

यह अक्सर देखने में आता है कि अगर कहीं सड़क पर दुर्घटना हो जाए या फिर घर पर किसी व्यक्ति की तबीयत ज्यादा बिगड़ जाए, तो एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच पाती है। प्राथमिक उपचार के इंतजार में कई बार मरीज की जान चली जाती है।

ऐसी खबरें भी आती रहती हैं कि किसी मरीज को अस्पताल में बिस्तर खाली नहीं होने की वजह से भर्ती नहीं किया गया, घर वापस आने पर उसकी मौत हो गई। हालांकि, कुछ मामलों में लोगों में जागरूकता की कमी भी एक कारण हो सकता है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं में बरती जाने वाली लापरवाही के लिए संबंधित कर्मियों और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

विचार : मुख्यधारा के विकास से जुड़तीं महिलाएं

संप्रति महिलाओं के माध्यम से एक प्रभावी आर्थिक क्रांति आकार ले रही है। लाखों महिलाएं सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, स्थानीय व्यापार और हस्तशिल्प जैसे छोटे, अनौपचारिक उद्यमों से अपनी आजीविका चला रही हैं। यह उनका पहला स्थायी और स्वतंत्र आय का स्रोत बनता है। इस परिवर्तन में माइक्रोफाइनेंस ने एक निर्णायक भूमिका निभाई है।

बिना गारंटी वाले ये छोटे कर्ज, जो घर की दहलीज पर ही आसान किस्तों पर उपलब्ध हैं, महिलाओं की आजीविका और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने, परिवार की आय को सुदृढ़ करने और अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदारी करने में सक्षम बनाते हैं। इन महिलाओं के लिए माइक्रोफाइनेंस केवल वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि सम्मानजनक आजीविका का माध्यम और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने वाली एक जीवनरेखा बनकर उभरा है।

एक ऐसे दौर में जब तमाम प्रयासों के बीच ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में पारंपरिक बैंकों की पहुंच अब भी कुछ अपेक्षाकृत रूप से सीमित है, तब इस स्थिति में माइक्रोफाइनेंस एक वरदान बनकर उभरा है। आज माइक्रोफाइनेंस भारत के दूर-दराज वाले इलाकों तक गहराई से अपनी पैठ बना चुका है। यह देश के 720 जिलों में लगभग 7.5 करोड़ ऐसे लोगों को अपनी वित्तीय सेवाओं का लाभ दे रहा है, जिस तबके के लोगों की आय कम है। इनमें देश के 112 आकांक्षी जिले भी शामिल हैं। इन लाभार्थियों में लगभग 100 प्रतिशत महिलाएं हैं, जिनके लिए माइक्रोफाइनेंस औपचारिक ऋण प्रणाली से जुड़ाव की पहली कड़ी बन गई है। इसने आर्थिक पिरामिड के सबसे निचले स्तर तक औपचारिक वित्त को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दृष्टि से यह कहना उचित होगा कि माइक्रोफाइनेंस वित्तीय समावेशन का सशक्त स्तंभ बनकर उभरा है।

माइक्रोफाइनेंस के माध्यम से ऋण प्राप्त करने वाले अधिकांश लोग पहली पीढ़ी के उद्यमी होते हैं, जिनके व्यवसाय समय के साथ धीरे-धीरे विकसित होते हैं। प्रारंभिक ऋण जोकि 30,000 से 50,000 के बीच होता है, उसका उपयोग बुनियादी उपकरण खरीदने में किया जाता है। अगले चरण के ऋण चक्र आय के स्रोतों में विविधता और उत्पादन विस्तार को संभव बनाते हैं। तयशुदा किस्तें वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देती हैं और नियमित आय परिवारों को अस्थायी मजदूरी की अनिश्चितता से बाहर निकालने में सहायक होती है। यह परिवर्तन केवल अनुभवजन्य नहीं, बल्कि संरचनात्मक भी है।

वर्ष 2021 में एनसीएईआर के एक अध्ययन के अनुसार माइक्रोफाइनेंस का भारत की अर्थव्यवस्था में योगदान कुल सकल मूल्य वर्धन का लगभग 2.03 प्रतिशत है और यह लगभग 1.30 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करने में सहायक बना है। इससे स्पष्ट है कि माइक्रोफाइनेंस आज वर्तमान भारत की आर्थिक संरचना का एक महत्वपूर्ण घटक बन चुका है। माइक्रोफाइनेंस परिदृश्य पर आरबीआइ द्वारा विनियमित संस्थाएं सख्त दिशानिर्देशों, फेयर प्रैक्टिसेज कोड और उद्योग की आचार संहिता के तहत जिम्मेदार ऋण प्रथाओं का पालन करती हैं, जिससे महिला उधारकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

आरबीआइ के अनुसार किसी उधारकर्ता की कुल माइक्रोफाइनेंस ऋण चुकौती उसकी घरेलू आय के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। इसके साथ ही आरबीआइ द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क यानी एमएफआइएन द्वारा निर्धारित प्रविधान भी लागू होते हैं। इसमें उधार की सीमा को निर्धारित कर ऋण जोखिम को कम किया जाता है। इसके साथ ही त्रिस्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली भी मौजूद है, जिसमें एमएफआइएन दूसरे स्तर की व्यवस्था को चौबीसों घंटे संचालित करता है। ये सभी सुरक्षा प्रविधान जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। उधारकर्ताओं की रक्षा करते हैं और समग्र सेक्टर की दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूती प्रदान करते हैं। इसके बावजूद अपने प्रमाणित प्रभाव के बावजूद माइक्रोफाइनेंस सेक्टर इस समय गंभीर नकदी संकट से जूझ रहा है। इसके कारण करीब 50 लाख जरूरतमंद औपचारिक ऋण व्यवस्था से बाहर हो गए हैं। इससे उनके फिर से साहूकारों और बिना नियमन वाली अनौपचारिक ऋण व्यवस्थाओं के शिकंजे में फंसने का जोखिम बढ़ गया है।

प्रभु का प्रकाश हम में से
हर एक के अंदर है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

प्रकृति की सुरक्षा दीवार को तोड़ने की तैयारी

देश में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन तथा इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। ये तर्क सही हो सकते हैं कि खनन गतिविधियां विकास प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन क्या पर्यावरण की कीमत पर विकास की राह तलाशना उचित है? पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहे अरावली पर्वत-श्रृंखला के मसले को लेकर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना किसी क्षेत्र के लिए जीवन-धारा और सुरक्षा दीवार के रूप में खड़ी है, तो क्या उसका संरक्षण जरूरी नहीं है!

हाल के वर्षों में अरावली क्षेत्र में खनन गतिविधियां बढ़ी हैं और इससे होने वाले नुकसान को लेकर उठी आवाज की अनदेखी हुई है। यही वजह है कि बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भी स्पष्ट किया कि अरावली में खनन और इससे संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच जरूरी है तथा इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि अरावली क्षेत्र में अवैध खनन से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी थी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ

मीटर ऊंचे हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा। अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव पड़ सकते हैं।

क्योंकि, पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता था। हालांकि, बाद में शीर्ष अदालत ने अपने इस फैसले को स्थगित करते हुए कहा था कि इस मामले में कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है। अब न्यायालय ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया है, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके।

मगर यह पहलू भी महत्त्वपूर्ण है कि विशेषज्ञों की समिति बिना किसी दबाव और निष्पक्षता से अध्ययन कर अपने सुझाव सामने रखे। इस चिंता को दूर करने के लिए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यह समिति उसके निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी।

दरअसल, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर इलाके में फैली अरावली पर्वत-श्रृंखला को उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की लिहाज से एक प्राकृतिक दीवार के रूप में देखा जाता है। मगर पिछले कुछ वर्षों से अरावली क्षेत्र में जिस तरह पत्थर, रेत और अन्य संसाधनों की पूर्ति के लिए खनन गतिविधियां बढ़ी हैं, उससे इलाके के पर्यावरण पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए इसका संरक्षण जरूरी है। इसे न केवल पर्यावरणीय, बल्कि भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्त्व की दृष्टि से भी देखने और मूल्यांकन करने की जरूरत है। अगर अरावली की पहाड़ियों में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन पर रोक नहीं लगाई गई, तो निश्चित रूप से निकट भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

इंसानों को हटाकर रोबोट को बनाया ट्रैफिक पुलिस

जरा हट के

दुनिया में जैसे-जैसे तकनीक का विकास हो रहा है, वैसे-वैसे इंसान तरक्की करता जा रहा है. इंसानी तरीक्की का एक ताजा नमूना चीन में देखने को मिला जिसे टेक्नोलॉजी की दुनिया का किंग माना जाता है, वो इसलिए क्योंकि चीन ने हमेशा से अपनी टेक्नोलॉजी के दम पर दुनिया में अपना लोहा मनवाया है. अबकी चीन ने कुछ ऐसा कर दिया है, जो हैरान करने वाला है और साथ में काम को आसान करने वाला भी है. चीन ने सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस के तौर पर इंसानों को हटाकर रोबोट को खड़ा कर दिया है. चीन का ये चमत्कार लोगों को आश्चर्यचकित कर रहा है.

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार चीन में अब रोबोट्स ट्रैफिक संभाल रहे हैं. चीन के शहर वूहु के लोगों पर अब ये टेक्नोलॉजी टेस्ट की जा रही है. यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले रोबोट्स को

सड़क पर ट्रैफिक पुलिस के तौर पर खड़ा किया गया है. ये रोड के बीच में खड़े होकर ट्रैफिक संभाल रहे हैं. शहर के भीड़भाड़ वाले चौराहों पर खड़े होकर ये रोबोट्स कार या साइकिल चलाने वालों को चेतावनी दे रहे हैं कि वो गाड़ी ठीक से चलाएं.

रोबोट संभाल रहे ट्रैफिक अधिकारी इस नई तकनीक का स्वागत कर रहे हैं. उनका मानना है कि इस तकनीक से पीक ऑवर्स में ट्रैफिक को मैनेज करना आसान हो जाएगा. लोकल मीडिया आउटलेट, पीपल के अनुसार इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट शहर के चौराहों पर खड़े होकर ट्रैफिक को नियंत्रित करते नजर आते हैं. उन्हें एक पहिए लगे प्लैटफॉर्म पर खड़ा किया जाता है, जहां से वो ट्रैफिक को सिग्नल देते हैं. मोटरसाइकिल और साइकिल चलाने वालों को रोबोट ये भी बताते हैं कि उन्हें किस दिशा में जाना है या कैसे ड्राइव करना है.

वूहु में ये रोबोट्स साइकिल चालकों को अक्सर कहते सुने जा रहे हैं कि लोग अपनी साइकिलों को नॉन-मोटराइज्ड लेन में ही चलाएं. रोबोट्स को पुलिस की वर्दी पहनाई गई है, चश्मा लगाया गया है और सिर पर हैट भी है.

तिरंगा इडली

छ ही दिनों में गणतंत्र दिवस आने वाला है, जिसकी तैयारी लोगों के शुरू कर दी है। बाजारों में इसकी धूम दिखाई देने लगी है। चाहे स्वतंत्रता दिवस की बात करें, या गणतंत्र दिवस की, इन दोनों ही दिनों में पूरा देश देशभक्ति के रंग में रंग जाता है। लोग अपने घरों को, दफ्तरों को और दुकानों को तिरंगे के रंगों से सजाते हैं। अगर आप इस दिन घर पर कुछ खास बनाना चाहती हैं, तो तिरंगा इडली एक बेहतर विकल्प है। आज के इस लेख में हम आपको तिरंगा इडली बनाने का तरीका बताने जा रहे हैं, ताकि आप अपने बच्चों के लिए नाश्ते में तिरंगा इडली बना सकें।

बनाने का सामान :

500 ग्राम उड़द की दाल,1 किलो रवा, 5 ग्राम कुकिंग सोडा, नमक

रंग के लिए :

गाजर प्यूरी और पालक प्यूरी

विधि :

तिरंगा इडली बनाने के लिए सबसे पहले उड़द की दाल और रवा को अलग-अलग भिगोएं। उड़द की दाल को 5 से 6 घंटे या रात भर के लिए भिगोना पड़ता है।

अब इसका बैटर तैयार करने के लिए सबसे पहले दाल को पीस लें। अब एक कटोरा लेकर इसमें पिसी हुई दाल, रवा, दही, नमक और पानी डालकर अच्छी तरह से मिला लें। इसके बाद बैटर को तीन भागों में बांट लें।

पहले भाग में गाजर की प्यूरी और दूसरे भाग में पालक की प्यूरी डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। इससे इडली में केसरिया और हरा रंग आ जाएगा। अब इडली बनाने के लिए सबसे पहले इडली मोल्ड में तेल लगाएं। इसके बाद अब पहले केसरिया बैटर फिर सफेद बैटर और फिर हरा बैटर मोल्ड में डालें।

इडली स्टीमर में इसे 10 से 12 मिनट तक या पक जाने तक स्टीम कर लें। जब ये तैयार हो जाए तो इसे निकाल कर नारियल की चटनी और सांभर के साथ परोसें। आप चाहें तो इसे फ्राई भी कर सकती हैं।

पैर के तलवों में होता है दर्द तो जानें कारण और राहत के उपाय

बहुत सारी महिलाओं को पैर के तलवों में दर्द की शिकायत रहती हैं। लेकिन इसका ठीक कारण पता नहीं चलता। जिसकी वजह से वो हमेशा तकलीफ में रहती हैं और समझ नहीं पाती कि आखिर क्या करें। अगर आपके पैर के तलवों में दर्द है और डॉक्टर के पास नहीं जा रहीं तो हो सकता है इस दर्द का कारण ये चीजें हों। जिनसे आराम पाने के लिए छोटे नुस्खे आजमाएं जा सकते हैं। जानें कौन से हैं कारण और राहत के उपाय।

तलवों में दर्द के कारण

कई बार पैर के तलवों में दर्द के लिए ये कारण जिम्मेदार होते हैं।

- अगर शरीर का वजन ज्यादा है और आप लंबे समय से उसे कंट्रोल नहीं कर पा रही हैं तो हो सकता है कि इसका सीधा असर पैरों पर हो और तलवों में दर्द होता हो।
- कुछ लोगों के चलने का गलत तरीका पैर के तलवों में दर्द पैदा करता है।
- पैर के निचले हिस्से की मांसपेशियां कमजोर हैं जिसका सीधा संबंध खराब खानपान से जुड़ा होता है। तो भी पैर के तलवों में दर्द होता है। इसे दूर करने के लिए हेल्दी और न्यूट्रिशस भोजन की जरूरत होती है।
- गलत फुटवियर ज्यादातर महिलाओं के तलवों में दर्द की वजह रहता है। हील वाले फुटवियर, खराब क्वालिटी के फुटवियर जिनके सोल काफी कड़े होते हैं, पहनने से तलवों में दर्द बना रह सकता है।
- अनहेल्दी डाइट लेने की वजह से बहुत सारे लोगों को सूजन की समस्या होती है। जिससे तलवों में दर्द होने लगता है।

दर्द से छुटकारा पाने के लिए ये तरीके अपनाएं

- पैर के तलवों पर गर्म और ठंडे पैड से बारी-बारी से सिंकाई करें। इससे दर्द से राहत मिलती है।
- मसल्स की स्टिफनेस दूर करने के लिए स्ट्रेचिंग सबसे कारगर तरीका है। काल्फ, एंकल और तलवों को स्ट्रेच के जरिए आराम पहुंचा। दर्द कम होगा।
- हेल्दी फूड खाना जरूरी है। जिससे कि वजन कंट्रोल में रहे और पोषण की कमी की वजह से तलवों में हो रहे दर्द से राहत मिले।
- लंबे समय में तलवों में दर्द से छुटकारा पाने के लिए एक्सरसाइज करें। स्काव्ट्स, प्लैंक, ब्रिज पोज बॉडी मसल्स को मजबूत बनाते हैं और ताकत देते हैं।
- नंगे पैर चलें। हरी घास पर कुछ देर नंगे पाव चलें। इससे नर्व सिस्टम एक्टिव होता है और माइंड भी रिलैक्स रहता है।

चेहरे पर उगे बालों को हटाएगा ये फेस पैक

महिलाओं के चेहरे पर अक्सर छोटे-छोटे बाल उग जाते हैं। जो दिखने में खराब लगते हैं और महिलाएं इसे जरा भी पसंद नहीं करते। ऐसे में वैक्सिंग, थ्रेड या रेजर से हटाने के बजाय एक बार होममेट फेसपैक ट्राई करना चाहिए। जो आसानी से बालों को खत्म कर देता है। साथ ही वैक्सिंग जैसा दर्द का अनुभव भी नहीं होता है। तो चलिए जानें अनचाहे बालों को चेहरे से हटाने के लिए घर में कैसे बनाएं फेस पैक।

अनवांटेड फेशियल हेयर फेस पैक

फेशियल हेयर हटाने के लिए घरेलू फेस पैक स्किन को नुकसान नहीं करता है और धीरे-धीरे बालों को हटाने में मदद करता है। फेस पैक बनाने के लिए इन चीजों की जरूरत होगी।

- एक छोटा कप दूध
- आधा छोटा चम्मच हल्दी
- एक चम्मच चीनी
- एक चम्मच बेसन
- एक चम्मच नींबू का रस

सबसे पहले किसी बाउल में दूध को उबाल लें। उबलने के साथ इसमे चीनी डालें। साथ में हल्दी भी डाल दें। थोड़ी देर इस दूध को पकाकर गाढ़ा कर लें। फिर गैस की फ्लेम को बंद कर दें और बाउल को नीचे उतारकर थोड़ा ठंडा हो जाने दें और इसमे एक चम्मच बेसन और नींबू का रस मिला दें। अच्छी तरह से मिक्स कर लें। बस फेस पैक तैयार है।

फेशियल रिमूवल फेस पैक लगाने का तरीका

चेहरे को अच्छी तरह से क्लीन करने के बाद फेस पैक को लगाएं और अच्छी तरह से सूख जाने दें। जब ये पूरी तरह से सूख जाए तो कपड़े को गीला करके पूरी तरह से निचोड़ दें। जिससे कि सारा पानी निकल जाए। बस हल्का गीलापन कपड़े में रह जाए। अब इससे चेहरे बाल वाले हिस्से पर ऊपर की तरफ रगड़ते हुए फेस पैक को छुड़ाएं। ये फेस पैक धीरे-धीरे बालों को रिमूव करने में मदद करेगा।

आज का राशिफल

मेष : भाग्य का साथ मिलेगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद से क्लेश संभव है।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मिथुन : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें। पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क : कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। कुसंगति से हानि होगी।

कन्या : वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी।

तुला : कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक : आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

धनु : विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा।

मकर : आय में निश्चितता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दुःखद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। व्यर्थ भागदौड़ होगी।

कुंभ : आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा।

मीन : मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में चैन रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ठंड में बच्चों के लिए अमृत है जायफल

■ मात्र 1 चुटकी 5 बीमारियों की कर देगी छुट्टी

हमारे घर की रसोई तमाम औषधियों की खान मानी जाती है. दरअसल, रसोई में कई ऐसे मसाले होते हैं, जो खाने का स्वाद तो बढ़ाते ही हैं साथ ही सेहत का भी ख्याल रखते हैं. लेकिन जानकारी न होने से लोग उसका उचित लाभ नहीं ले पाते हैं. ऐसे ही एक मसाले का नाम है जायफल. जी हां, घरों में जायफल को दादी-नानी के नुस्खों के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है. यह बच्चों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है. क्योंकि जायफल के सेवन से सर्दी, जुकाम, अपच, मुंह के छाले, पेट और कान दर्द से बचाव होता है. साथ ही, जायफल में एंटीबैक्टीरियल और एंटीबायोटिक गुण पाए जाते हैं, जोकि बच्चों में इम्युनिटी बढ़ाने के साथ इंफेक्शन से दूर रखते हैं. यही कारण है कि आयुर्वेद में इसका वर्षों से इस्तेमाल किया जा रहा है. अब सवाल है कि ठंड में जायफल बच्चों के लिए कैसे फायदेमंद? किन बीमारियों से रखता है दूर? इन सवालों के बारे में बता रहे हैं बलरामपुर चिकित्सालय लखनऊ के आयुर्वेदाचार्य डॉ. जितेंद्र शर्मा-

■ जायफल चटाने के फायदे

■ खांसी-जुकाम से बचाए

आयुर्वेदाचार्य डॉ. जितेंद्र शर्मा के मुताबिक, ठंड में जायफल बच्चों के लिए एक बड़ी औषधि होती है, जोकि कई बीमारियों से बचाव करती है. दरअसल, छोटे बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर होने से बीमारियां उन पर जल्दी अटैक करती हैं. ऐसे में जायफल का सेवन करा सकते हैं. ऐसा करने से सीजनल इंफेक्शन होने का खतरा कम होता है. साथ ही बच्चे का सर्दी-जुकाम से भी बचाव होगा. क्योंकि, जायफल तासीर में गर्म

होती है. इसे खाने से खांसी में आराम मिलता है. इसका सेवन जायफल को पीसकर शहद में मिलाकर बच्चे को चटाना होगा. जायफल के पाउडर को घी में मिलाकर छाती पर लगाने से जड़कन कम होती है.

■ अपच में राहत दिलाए

सर्दी में बच्चों को जायफल का सेवन कराने से अपच में राहत मिलती है. दरअसल, बच्चों को कई बार अपच की समस्या हो जाती है. इस परेशानी से बचने के लिए आप जायफल का इस्तेमाल कर सकते हैं. दरअसल, जायफल को कूट लें और इसे घी या शहद में मिला कर बच्चे की नाभि पर लगाए. ऐसा करने से पेट दर्द की समस्या दूर हो जाएगी.

■ मुंह के छाले ठीक करे

कई बार बच्चों को मुंह में छाले हो जाते हैं जिससे खाने-पीने में परेशानी होती है. छाले की समस्या होने पर बच्चे को जायफल खिलाएं. जायफल और मिश्री मिलाकर बच्चे को दें. इससे पेट को ठंडक मिलेगी और छाले ठीक हो जाएंगे. छोटे बच्चे को जौ के पानी में मिश्री और जायफल पाउडर मिला कर देने से भी राहत मिलती है.

■ कान दर्द में आराम

बच्चों को कान में दर्द होने पर जायफल खिला सकते हैं. जायफल में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जिससे कान के दर्द और सूजन में आराम मिलता है. इसके एंटी बैक्टीरियल गुण से कान की गंदगी साफ हो जाती है. जायफल को पीस लें और लेप बना कर कान के पीछे लगा दें. इसस कान का दर्द और सूजन कम हो जाएगी. आप चाहें तो सहसों के तेल में जायफल मिलाकर बच्चे का कान में डाल सकते हैं.

■ भूख बढ़ाए

डॉ. जितेंद्र शर्मा बताते हैं कि, दूध में जायफल मिलाकर पिलाने से बच्चे की भूख खुलती है. इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है. जायफल खाने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और डाइजेशन में भी सुधार आता है. बच्चों की भूख बढ़ाने के लिए जायफल का इस्तेमाल कर सकते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मां की मर गई ममता, महिला ने 95 हजार रुपये में कर दिया दुधमुंहे बेटे का सौदा!

कौशांबी. यूपी के कौशांबी में पश्चिमशरीरा थाना क्षेत्र के खरौना गांव की एक महिला ने अपने पांच माह के दुधमुंहे बच्चे का 95 हजार रुपये में सौदा कर दिया। मामले की शिकायत के बाद हरकत में आई पुलिस ने आननफानन मानव तस्करी का मुकदमा कायम कर आरोपी महिला को गिरफ्तार किया। बच्चा भी बरामद कर लिया गया है। खरौना निवासी बृजेश कुमार ने बताया कि वह अपनी पत्नी ममता देवी और पांच माह के बेटे अभिमान गौतम के साथ प्रयागराज में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। 28 दिसंबर 2025 को ड्यूटी से लौटकर घर आया तो देखा कि पत्नी व बच्चा मौजूद नहीं थे। थोड़ी ही देर बाद पत्नी लौटकर आ गई, लेकिन वह बच्चे को साथ नहीं लाई। इस पर उसने बुधवार को मामले की शिकायत पश्चिमशरीरा थाना पुलिस से की।

चलती ट्रेन से बच्चा चोरी कर साढ़े तीन लाख में बेचा, 6 दिन बाद तीन गिरफ्तार

इटावा. यूपी में नंदनकानन एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान चोरी हुए 10 महीने के मासूम को रेलवे सुरक्षा एजेंसियों ने सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में बच्चे को चुराकर बेचने वाले युवक सहित दादरी के एक दंपति को गिरफ्तार किया गया है। इसी दंपति को 3.5 लाख रुपये में बच्चा बेचा गया था। रेलवे पुलिस के अनुसार 15 जनवरी को मुन्नी अंसारी अपने 10 महीने के बेटे मोहम्मद इब्राहिम के साथ गाड़ी संख्या 12816 के जनरल कोच में अलीगढ़ से कोडरमा जा रही थीं। यात्रा के दौरान इटावा स्टेशन के आसपास एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें लड्डू में नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया। इसी दौरान आरोपी बच्चे को लेकर फतेहपुर स्टेशन पर उतर गया।

डॉक्टर के घर में मिला नौकरानी का शव, काम के बीच कमरे में जाकर फंदे से लटकी

बरेली. यूपी के बरेली में उस समय हड़कंप मच गया जब एक नौकरानी का शव मालिक के घर में लटका हुआ मिला। बताया जा रहा है कि बारादरी के राधेश्याम इंक्लेव में डॉक्टर के घर काम करने वाली युवती का शव फंदे से लटका मिला। घटना बुधवार की है। घरवालों ने फंदे से लटका शव देखा तो उसे उतारा और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की। मृतका के घरवालों को इसकी सूचना दे दी गई है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवती की मौत के कारण के बारे में अभी पुलिस को परिजनों के आने का इंतजार है।

पेंटिंग का मजाक उड़ाना पड़ा भारी, बड़ी बहन ने छोटी को टैंक में धकेल कर मार डाला

उरई. यूपी के उरई से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां बड़ी बहन ने बड़े मन से कागज पर पेंटिंग बनाई लेकिन छोटी बहन ने पेंटिंग का मजाक उड़ा दिया। बड़ी बहन यह बर्दाश्त न कर सकी और चांटा मार दिया। इस पर छोटी बहन ने भी हाथापाई की। झगड़े में बड़ी बहन के धक्के से छोटी बहन घर के पास बने सात फीट गहरे टैंक में गिर कर डूबने लगी। बड़ी बहन ने उसे बचाने की कोशिश की पर नहीं बचा पाई। इस हादसे से वह इस कदर डर गई कि उसने शोर भी नहीं मचाया। कुछ देर बाद बहन के लापता होने की सूचना घरवालों को दी। पुलिस तक बात पहुंची तो तलाश शुरू हुई। किशोरी का शव टैंक में ही मिला। संदेह के आधार पर पूछताछ हुई तो बड़ी बहन ने घटना कबूल की है। उस पर गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज कर हिरासत में लिया है। कोटरा के युवक अयोध्या में पेंटिंग का काम करता है। गांव में पत्नी 15 और 13 वर्षीय बेटियों के साथ रहती है। घर के पास सात फीट का गहरा पानी टैंक है। रविवार शाम मां बड़ी बेटी के साथ पड़ोस में बर्थडे कार्यक्रम में गई थी।

अविमुक्तेश्वरानंद को चेतावनी माघ मेले से बैन कर देंगे

योगी बोले- कई कालनेमि सनातन को कमजोर करने की साजिश रच रहे, सतर्क रहना होगा

प्रयागराज. प्रयागराज में अविमुक्तेश्वरानंद और माघ मेला प्रशासन के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। 48 घंटे के अंदर प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को दूसरा नोटिस भेजा है। इसमें मौनी अमावस्या के दिन बैरियर तोड़ने और जबरन भीड़ में बग्घी घुसाने को लेकर सवाल किए हैं।

पूछा है कि क्यों न आपको हमेशा के लिए माघ मेले से बैन कर दिया जाए। अगर 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संस्था को दी गई जमीन और सुविधाएं वापस ले लेंगे।

अविमुक्तेश्वरानंद के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगिराज ने कहा- प्रशासन ने बुधवार शाम 7 बजे शिविर के पीछे नोटिस चस्पा किया, जिस पर 18 जनवरी की डेट थी। अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार सुबह 8 बजे 3 पेज में दूसरे नोटिस का जवाब मेला ऑफिस भिजवाया।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- प्रशासन नोटिस-नोटिस खेल रहा है। अभी मेरा मौनी अमावस्या का स्नान नहीं हुआ है, तो मैं बसंत का स्नान कैसे करूंगा। पहले मौनी अमावस्या का स्नान करूंगा, तभी दूसरा स्नान करूंगा।'

मुख्यमंत्री योगी बोले- किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं

इसी बीच, सीएम योगी ने अविमुक्तेश्वरानंद का बिना नाम लिए कहा- किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं। ऐसे तमाम कालनेमि हैं, जो धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। हमें ऐसे लोगों से सतर्क रहना होगा। संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता है।

जम्मू में सेना की गाड़ी 400 फीट गहरी खाई में गिरी

- 10 जवानों की मौत
- 11 को एयरलिफ्ट किया; 21 सवार थे

डोडा. जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना की गाड़ी 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। इसमें 10 जवानों की मौत हो गई, जबकि 11 को एयरलिफ्ट कर उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल भेजा गया है।

सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में 21 जवान सवार थे। सभी डोडा से ऊपरी पोस्ट पर जा रहे थे। भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप के पास राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया।

उपराज्यपाल बोले- हादसे से दुखी हूं

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि इस हादसे से दुखी हूं। इस घड़ी में, पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। घायल सैनिकों को एयरलिफ्ट करके अस्पताल पहुंचाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को बेहतरीन इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

गुजरात-सांसद शक्ति सिंह के भतीजे ने पत्नी को गोली मारी

- एंबुलेंस टीम की मौजूदगी में खुद को भी गोली मारी
- 2 महीने पहले शादी हुई थी

गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने पत्नी की गले में गोली लगने से हुई मौत के बाद आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी दो महीने पहले ही हुई थी।

पुलिस के मुताबिक यशराज ने बुधवार रात 11:45 बजे 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया था। कॉल में यशराज ने पत्नी राजेश्वरी के घायल होने की बात कही थी।

मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने राजेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले यशराज ने एंबुलेंस टीम को बताया कि उससे लाइसेंसी पिस्टल से गलती से गोली चल गई थी, जो सीधे पत्नी के गले में जा लगी।

यशराज ने खुद को गोली मार ली

मेडिकल टीम जब राजेश्वरी का शव एंबुलेंस में रखने के लिए बाहर गई, तभी यशराज ने कमरे में जाकर खुद को गोली मार ली। यशराज को भी मौके पर मौत हो गई थी।

यशराज सिंह गुजरात समुद्री बोर्ड में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें हाल ही में क्लास 2 से क्लास 1 अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया था।

ट्रंप ने लॉन्च किया बोर्ड ऑफ पीस, सुलझाएगा दुनियाभर के झगड़े

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को बोर्ड ऑफ पीस के पहले चार्टर का औपचारिक ऐलान कर दिया। यूनाइटेड नेशन के तर्ज पर बनाए गए बोर्ड ऑफ पीस का शुरुआती फोकस गाजा पर होगा, लेकिन इसका विस्तार दुनियाभर के विवादों को सुलझाने के लिए हो सकता है। इसमें पाकिस्तान समेत कई देशों ने सदस्य बनने के लिए सहमति दी है। बोर्ड ऑफ पीस के लॉन्च पर ट्रंप ने कहा कि गाजा सीजफायर डील के तहत हमास को हथियार छोड़ने होंगे, नहीं तो यह फिलिस्तीनी आंदोलन का अंत होगा। ट्रंप ने कहा, 'उन्हें अपने हथियार छोड़ने होंगे, और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो यह उनका अंत होगा।" उन्होंने आगे कहा कि इस्लामी समूह हाथों में राइफल लेकर पैदा हुए थे। स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में बोर्ड ऑफ पीस के ऐलान के समय एक दर्जन से ज्यादा देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और टॉप

राहुल बोले-'जी राम जी' जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है

- मनरेगा बचाओ सम्मेनल में सिर पर गमछा बांधा
- कंधे पर कुदाल रखी, पौधे में मिट्टी डाली

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि वे जी राम जी बिल के बारे में नहीं जानते। उन्होंने कहा, 'जी राम जी' जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है। राहुल ने गरीबों से अपील की कि वे इस नए बिल के विरोध में एकजुट हों।

राहुल रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय मनरेगा श्रमिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में राहुल और खड़गे ने सिर पर गमछा बांधा, कंधे पर कुदाल रखी और देशभर से मजदूरों की लाई मिट्टी पौधों में डाली।

सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार का मनरेगा को निरस्त करना महात्मा गांधी के नाम को लोगों की स्मृति से मिटाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संसद के आगामी बजट सत्र में इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी।

'मनरेगा में गरीब लोगों को काम करने का अधिकार था'

- राहुल ने कहा कि मनरेगा गरीबों को अधिकार देने के लिए लाई गई योजना थी। इसका उद्देश्य जरूरतमंदों को काम देना था। यह योजना सरकार के तीसरे स्तर यानी पंचायती राज के माध्यम से चलाई जानी थी। अधिकार शब्द महत्वपूर्ण था। सभी गरीब लोगों को मनरेगा के तहत काम करने का अधिकार था। PM मोदी-भाजपा उस कन्सेप्ट को खत्म करना चाहती है।
- उन्होंने कहा, कुछ साल पहले सरकार 3 काले कृषि कानून लाई थी। लेकिन हम सभी के एकजुट होकर दबाव बनाया और कानूनों को रद्द करवा दिया। नए कानून में केंद्र सरकार काम और पैसा देने का फैसला करेगी और भाजपा शासित सरकारों को हमेशा प्राथमिकता मिलेगा।

धार-भोजशाला में दोपहर 12 बजे तक पूजा, फिर नमाज होगी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नमाज के बाद दोबारा पूजा कर सकेंगे
- अखंड पूजा वाली याचिका पर फैसला

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार की भोजशाला में हिंदू पक्ष से 12 बजे तक पूजा करने के लिए कहा है। इसके बाद मुस्लिम पक्ष नमाज पढ़ेगा। हिंदू पक्ष शाम 4 बजे से फिर पूजा कर सकेगा। हिंदू पक्ष ने 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति के लिए 20 जनवरी को याचिका दायर की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आज (22 जनवरी) फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने की।

हिंदू पक्ष ने कहा- बसंत पंचमी पर दिनभर पूजन होंगे

सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ रही है। कल बसंत पंचमी है और सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा, हवन और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी व्यवस्था की जाएगी, जैसा कि पूर्व वर्षों में किया जाता रहा है।

मस्जिद पक्ष बोला- नमाज के बाद परिसर खाली कर देंगे

मस्जिद पक्ष के वकील ने कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद परिसर खाली कर दिया जाएगा। हिंदू पक्ष की ओर से यह सुझाव दिया गया कि नमाज शाम 5 बजे के बाद कराई जाए, ताकि पूजा निर्बाध चल सके।

तेजस्वी की सुरक्षा घटी

पटना. बिहार की नीतीश सरकार ने सुरक्षा समीक्षा के बाद कई माननीयों की सुरक्षा में बदलाव किया है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा में कटौती की गई है। अब उन्हें Z श्रेणी की जगह Y+ श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, राज्य स्तरीय सुरक्षा समीक्षा समिति की रिपोर्ट और खुफिया इनपुट के आधार पर यह फैसला लिया गया है।

आदेश के अनुसार जहां कुछ नेताओं की सुरक्षा घटाई गई है, वहीं कई नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई भी गई है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, बीजेपी बिहार अध्यक्ष संजय सरावगी और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को अब Z श्रेणी की सुरक्षा दी गई है।

झारखंड में 1 करोड़ का इनामी समेत 11 नक्सली ढेर

- सारंडा जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान एनकाउंटर
- पुलिस, कोबरा बटालियन और सेंट्रल फोर्स शामिल

झारखंड में मुठभेड़ में 11 से ज्यादा नक्सली ढेर हुए हैं। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और भाकपा (माओवादी) नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गुरुवार तड़के मुठभेड़ शुरू हुई। आसपास का इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा।

जानकारी के मुताबिक झारखंड पुलिस, कोबरा और सेंट्रल पुलिस फोर्स के जवानों की सर्चिंग के दौरान 1 करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई।

उसके दस्ते में 14 से अधिक नक्सली हैं। लगातार हो रही मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 11 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि एक करोड़ के इनामी नक्सली अनल दा भी मारा गया है। हालांकि, इसके मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

50 लाख का इनामी नक्सली कमांडर ढेर

कोल्हान प्रमंडल के DIG अनुरंजन किस्पोट्टा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। सूत्रों की माने तो मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 50 लाख रुपए के इनामी एक बड़े नक्सली कमांडर को भी मार गिराया है। हालांकि इस दावे पर भी अब तक मुहर नहीं लगी है।

एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़

सुरक्षाबल नक्सल विरोधी अभियान के तहत सारंडा के घने जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान जंगल में पहले से घात लगाए बैठे नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाल लिया, जिसके बाद मुठभेड़ तेज हो गई।

सारंडा का इलाका दुर्गम पहाड़ियों और घने जंगलों से घिरा हुआ है, जहां नक्सलियों की लंबे समय से गतिविधियां रही हैं। जंगल के भीतर बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पूरे क्षेत्र को चारों ओर से घेर लिया गया है।

भारत ने न्यूजीलैंड को 48 रन से पहला टी-20 हराया

- अभिषेक ने 84 रन बनाए, चक्रवर्ती-दुबे को 2-2 विकेट

भारत ने न्यूजीलैंड को पहले टी-20 में 48 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। बुधवार को नागपुर में पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 238 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम 190 रन ही बना सकी। अभिषेक शर्मा ने 84 रन बनाए, वहीं वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे को 2-2 विकेट मिले।

VCA स्टेडियम में भारत से रिंकू सिंह ने 44, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 और हार्दिक पंड्या ने 25 रन बनाए। अर्शदीप सिंह, हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल को 1-1 विकेट मिला। न्यूजीलैंड से जैकब डफी और काइल जैमिसन ने 2-2 विकेट लिए। बैटिंग में टीम से मार्क चापमन ने 39 रन बनाए। दूसरा टी-20 रायपुर में 23 जनवरी को खेला जाएगा।

पहले टी-20 की खास बातें

अभिषेक ने 5 हजार टी-20 रन पूरे कर लिए हैं।

सूर्या लगातार 23वीं पारी में फिफ्टी नहीं लगा सके हैं। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार 14 छक्के लगाए हैं। भारत-न्यूजीलैंड टी-20 मैच में सबसे ज्यादा 428 रन बने हैं।

अक्षर की उंगली पर बॉल लगी

16वें ओवर में अक्षर पटेल की उंगली पर बॉल लग गई। यह वही उंगली है, जिससे वे बॉल टर्न कराते हैं। वे वर्ल्ड कप टीम के उपकप्तान हैं।

भारत में टी20 वर्ल्ड कप नहीं खेलेगा बांग्लादेश

बांग्लादेश की सरकार ने अगले महीने से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप के भारत में मैच नहीं खेलने का फैसला किया है। इसका सीधा मतलब है कि बांग्लादेश का विश्व कप से पत्ता कट गया है और उसकी जगह नई टीम को एंट्री मिलेगी जो स्कॉटलैंड हो सकती है। आईसीसी की तरफ से इसका ऐलान अब सिर्फ औपचारिकता भर है। वैसे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को अब भी आईसीसी से रियायत की उम्मीद है। इस बीच पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान भी टी20 विश्व कप का बहिष्कार कर सकता है। बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम ने गुरुवार को कहा कि बोर्ड आईसीसी से अपने मैचों को श्रीलंका में शिफ्ट कराने के लिए एक बार आखिरी प्रयास करेगा। दूसरी तरफ आईसीसी ने बुधवार को ही साफ कर दिया था कि मैच शिफ्ट नहीं होंगे। अगर बांग्लादेश भारत में वर्ल्ड कप के मैच खेलने के लिए नहीं आता है तो उसकी जगह दूसरी टीम को टूर्नामेंट में जगह दी जाएगी।

गुजरात के पास सागर में उबाल से दहशत

- हाई अलर्ट, क्या यह बड़े खतरे का संकेत

पालघर. गुजरात तट के पास समुद्र की सतह से बुलबुले उठने और पानी के उबाल मारने जैसी रहस्यमयी घटना से हड़कंप मच गया है। मछुआरों ने घटना का वीडियो बनाया है जो वायरल हो रहा है। इसमें समुद्र की लहरों में असामान्य हलचल साफ देखी जा सकती है। इसको लेकर प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी किया है। अंदेशा है कि यह समुद्र तल से गैस रिसाव या किसी भूगर्भीय गतिविधि का संकेत हो सकता है। सरकार ने जांच के लिए विशेष टीमें तैनात की हैं। सुरक्षा के लिहाज से मछुआरों को उस इलाके से दूर रहने और जहाजों को रास्ता बदलने की सलाह दी गई है।

असामान्य हलचल से पूरे इलाके में दहशत

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अरब सागर में पानी की हलचल और बुलबुले उठने की खबरों ने प्रशासन और मछुआरों की चिंता बढ़ा दी है। पालघर जिले के एक अधिकारी ने बताया कि मछुआरों के वीडियो में समुद्र के एक बड़े हिस्से में पानी उबलता हुआ और बुलबुले निकलता दिखाई दे रहा है। नजारा ऐसा लग रहा है जैसे पानी उबल रहा हो। समुद्र में इस तरह की असामान्य हलचल से पूरे इलाके में दहशत और आशंका का माहौल है।

घटना बेहद असामान्य

पालघर जिला आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख विवेकानंद कदम ने जानकारी दी कि यह जगह जहाजों के रास्ते और मछली पकड़ने के प्रमुख इलाकों के बहुत पास है। उन्होंने आशंका जताई है कि यह हलचल समुद्र के नीचे से गैस रिसाव, किसी भूगर्भीय गतिविधि या वहां बिछी पाइपलाइनों में खराबी के कारण हो सकती है। घटना बेहद असामान्य है। ऐसे में इस पर समुद्री और औद्योगिक एजेंसियों को तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

वजह की हो रही छानबीन

पालघर जिला आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि प्रशासन समुद्री विभागों के साथ मिलकर इस बात की जांच कर रहा है कि यह हलचल किसी प्राकृतिक बदलाव के कारण है या किसी औद्योगिक हादसे की वजह से यह घटना देखी जा रही है।

छत्तीसगढ़ के प्राइवेट स्टील प्लांट में ब्लास्ट, 6 मौतें

- 5 की हालत गंभीर, गर्म लोहा मजदूरों पर गिरा

बलौदाबाजार. छत्तीसगढ़ में बलौदाबाजार जिले के बकुलाही इलाके में स्थित स्पंज आयरन प्लांट में हुए ब्लास्ट से अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। मलबे में कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। शुरुआती जांच में ये सामने आया है कि प्लांट में धमाका किसी तकनीकी खराबी या दबाव के कारण हुआ है। फिलहाल टीम जांच कर रही है।

विस्फोट प्लांट की कोल भट्टी (कोल किल्न) में गुरुवार सुबह करीब 9.40 बजे हुआ। डस्ट सेटलिंग चैंबर (DSC) में ब्लास्ट के दौरान गर्म कोयला और मलबा नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिरा, जिससे कई लोग झुलस गए। धमाके के बाद दूर तक धुएं का गुबार दिखा।

घायलों को तत्काल भाटापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CSC) और स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से घायलों को बिलासपुर के बर्न ट्रीटमेंट सेंटर भेजा गया है। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

पंजाब में मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना लॉन्च

- 10 लाख तक मुफ्त इलाज
- 3 करोड़ पंजाबियों को फायदा

चंडीगढ़. पंजाब के लोगों को आज से 10 लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलेगा। मोहाली में CM भगवंत मान के साथ आम आदमी पार्टी (AAP) के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना की लॉन्चिंग की। सरकार का कहना है कि इस स्कीम में हर तरह का खर्च शामिल है।

इसमें न कोई इनकम का चक्कर है और न ही एज लिमिट। पंजाब का आधार और वोटर कार्ड होना चाहिए और पूरा परिवार स्कीम का लाभ उठा सकता है। इससे 65 लाख परिवारों के करीब 3 करोड़ पंजाबियों को फायदा होगा।

सेहत बीमा स्कीम की लॉन्चिंग के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है। जो पंजाब में हुआ है। यह शायद 1950 में हो जाना चाहिए था। आजादी के बाद 75 साल में कई सरकार आई, लेकिन किसी ने लोगों का ख्याल नहीं रखा। अगर पंजाब का उदाहरण लें। पंजाब में आतंकवाद था, फिर पंजाब में नशे का दौर आया। लेकिन कहते है हर चीज का टाइम आता है। पिछले चार साल से जो पंजाब में दौर चल रहा है। वह सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा।

केजरीवाल ने कहा कि अब कोई भी पंजाबी बीमारी के चलते मरेगा नहीं। पंजाब सरकार द्वारा लाई गई स्कीम हर किसी के लिए है, हम कोई कांग्रेसी, अकाली नहीं देखते। सभी को इसका फायदा मिलेगा और सभी लोग सरकारी के साथ प्राइवेट अस्पताल में भी इलाज करा सकेंगे।

वहीं, सीएम मान ने कहा कि पहले की सरकारों ने ऐसी स्कीमें चलाई थी, जिसमें कई शर्तें लगा देते थे। ताकि अपने चहेतों को फायदा हो। अब प्रधानमंत्री आवास योजना को ही ले लो। उसमें एक भी घर पंजाब का नहीं आता है। जैसे शर्त है कि पक्की ईंट नहीं लगी होनी चाहिए। घर में साइकिल पंखा व गैस चूल्हा नहीं होनी चाहिए।

नीतीश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट

- पटाखा बनाने के दौरान धमाका
- एक की मौत, सिर-पैर 20 फीट दूर गिरे

सीवान. सीवान में CM नीतीश की सभा से थोड़ी दूर पर ब्लास्ट हुआ है। ये धमाका पटाखा बनाने के दौरान एक घर में हुआ। इसमें एक की मौत हुई है। धमाके की आवाज 2 KM दूर तक सुनी गई।

धमाका इतना जोरदार था कि मरने वाले का सिर और पैर 20 फीट दूर जाकर गिरा। धड़ के भी चिथड़े उड़ गए हैं। मृतक की पहचान बड़रम गांव के जाल बदर के 50 साल के मुर्तुजा मंसूरी के

रूप में हुई है।

ब्लास्ट की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। धमाके की वजह से घर भी गिर गया है। ये धमाका हुसैनगंज थाना इलाके में बडरम गांव में हुआ है। यहां से 7KM की दूरी पर नीतीश कुमार सभा कर रहे थे।

एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि पुलिस ने घर को सील कर दिया गया है। बम निरोधक दस्ता को बुलाया गया है। एफएसएल की टीम जांच के लिए पहुंच चुकी है।

आसपास के लोगों ने बताया कि तेज धमाका हुआ। धमाके की आवाज 2 KM दूर तक गई। आसपास के लोगों के घरों के दरवाजे हिलने लगे। स्थानीय लोगों ने बताया कि, हम लोग घर से बाहर निकले। देखा तो पास वाले घर से धुआं उठ रहा था। मलबा बिखरा पड़ा था।

धीर-धीरे भीड़ जुटने लगी। उस घर में अवैध रूप से पटाखे बनाए जाते थे। आज पटाखा बनाने के दौरान ही ब्लास्ट हुआ है। पूरा परिवार पटाखे बनाता था। कई बार शिकायत कभी की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 4 साल पहले भी एक घर में पटाखा बनाने के दौरान ब्लास्ट हुआ था।

संक्षेप...

अक्षय कुमार ने ली ऑटो ड्राइवर के ट्रीटमेंट की जिम्मेदारी

मुंबई. अक्षय कुमार के काफिले की एक कार का 19 जनवरी की रात मुंबई के जुहू इलाके में एक्सीडेंट हो गया था। स्पीड से आ रही एक मर्सिडीज कार ने ऑटो रिक्शा को पीछे से टक्कर मारी, जिसकी वजह से चालक ने ड्राइविंग पर अपना नियंत्रण खो दिया और वह सीधा अक्षय कुमार की सिक्योरिटी की कार से जा टकराई। इस हादसे में ऑटो रिक्शा ड्राइवर घायल हो गया और उसे तुरंत पास अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनका ट्रीटमेंट चल रहा है। जब ऑटो ड्राइवर को चोट आई थी, तब अक्षय कुमार ने खुद गाड़ी से निकलकर उनको अस्पताल पहुंचाने में मदद की थी। ड्राइवर को अस्पताल पहुंचवाने तक ही अक्षय ने जिम्मेदारी नहीं निभाई, बल्कि ऑटो चालक के ट्रीटमेंट को लेकर लगातार उनकी टीम परिवार से संपर्क में है। इसके अलावा मुंबई पुलिस ने एक्सीडेंट करने वाले शख्स को भी गिरफ्तार कर लिया है।

मुंबई समेत 15 मनपा में महिला महापौर होंगी

- **उद्धव गुट का आरोप- BMC के लिए नियम बदले, OBC या ST का मेयर होना था**

मुंबई. महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है।

लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना (UBT) नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) या अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग से होना चाहिए था।

29 में से 12 सीटें ST, SC, OBC कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर SC कैटेगरी का होगा। मुंबई में 8वीं बार महिला को यह पद मिलेगा। इससे पहले किशोरी पेडनेकर मेयर थीं। इन नगर निगमों में 15 जनवरी को मतदान हुआ था और रिजल्ट 16 जनवरी को आया था।

BMC में अब तक 7 महिलाएं महापौर बनीं

- 1956 सुलोचना मोदी — पहली महिला महापौर
- 1994–95 निर्मला सामंत प्रभवलकर
- 1997–98 विशाखा राऊत
- 2007-2009 नवंबर डॉ. शुभा राउल
- 2009-2012 दिसंबर श्रीमती श्रद्धा श्रीधर जाधव
- 2014–17 स्नेहल अंबेकर
- 2019–22 किशोरी पेडनेकर

विपक्ष का दावा- लॉटरी फिक्स थी

विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया सत्ताधारी पार्टियों के फायदे के लिए फिक्स की गई थी। लॉटरी ड्रॉ के बाद शिवसेना (UBT) की मुंबई मेयर पद हासिल करने की उम्मीदें खत्म हो गईं, क्योंकि उसने अपनी उम्मीदें इस बात पर लगाई थीं कि यह पद अनुसूचित जनजाति (ST) की महिला के लिए आरक्षित होगा, क्योंकि उस कैटेगरी की दोनों योग्य उम्मीदवार उद्धव ठाकरे की पार्टी की थीं।

ड्रॉ ने शिवसेना (UBT) की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, क्योंकि पिछले हफ्ते नागरिक चुनाव परिणामों के बाद, पूर्व राज्य मुख्यमंत्री और सेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा था कि अगर भगवान चाहेंगे तो शहर में उनकी पार्टी का मेयर होगा।

सेना (UBT) को उम्मीद थी कि अगर ड्रॉ में BMC में मेयर के लिए ST महिला का नाम आता तो किस्मत उनका साथ देती। ST कैटेगरी की सिर्फ दो महिला उम्मीदवार हैं, दोनों ठाकरे की पार्टी से हैं।

कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने भी आरोप लगाया कि लॉटरी सिस्टम फिक्स था।

29 मनपा के महापौर आरक्षण की सूची

1. छत्रपति संभाजीनगर	सामान्य
2. नवी मुंबई	सामान्य (महिला)
3. वसई-विरार	सामान्य
4. कल्याण-डोंबिवली	अनुसूचित जनजाति
5. कोल्हापुर	ओबीसी
6. नागपुर	सामान्य (महिला)
7. बृहन्मुंबई	सामान्य (महिला)
8. सोलापुर	सामान्य
9. अमरावती	सामान्य
10. अकोला	ओबीसी (महिला)
11. नासिक	सामान्य (महिला)
12. पिंपरी-चिंचवड़	सामान्य
13. पुणे	सामान्य (महिला)
14. उल्हासनगर	ओबीसी
15. ठाणे	अनुसूचित जाति
16. चंद्रपुर	ओबीसी (महिला)
17. परभणी	सामान्य
18. लातूर	अनुसूचित जाति (महिला)
19. भिवंडी-निजामपुर	सामान्य
20. मालेगांव	सामान्य (महिला)
21. पनवेल	ओबीसी
22. मीरा-भायंदर	सामान्य (महिला)
23. नांदेड़-वाघाला	सामान्य (महिला)
24. सांगली-मिराज-कुपवाड़	सामान्य
25. जलगांव	ओबीसी (महिला)
26. अहिल्यानगर	ओबीसी (महिला)
27. धुले	सामान्य (महिला)
28. जालना	अनुसूचित जाति (महिला)
29. इचलकरंजी	ओबीसी

ठाणे में भगवान के दर्शन को आएंगे 'देवाभाऊ'

ठाणे. वंदे मातरम संघ द्वारा आयोजित महाराष्ट्र के सबसे बड़े माघी गणेशोत्सव में राज्य के मुख्यमंत्री देवभाऊ शामिल होंगे। यह जानकारी महोत्सव के संस्थापक और भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप लेले ने दी। माघी गणेशोत्सव की पूर्व संध्या पर, मध्य प्रदेश के अहिल्यादेवी होलकर किले (महेश्वरी घाट) पर प्राचीन गणेश मंदिर की प्रतिकृति में श्री गणेश की मनमोहक मूर्ति को विराजमान किया गया। उसके बाद, आयोजक संदीप लेले ने मीडिया से बातचीत की।

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर की 300वीं जयंती इस साल ठाणे के पचपाखड़ी में परमार्थ निकेतन चौक में मनाई गई है। इस साल इस उत्सव का चौथा साल है और उत्सव के दौरान हर दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्याख्यान, भजन, साक्षात्कार आदि आयोजित किए जाते हैं। यह जानकारी देते हुए संदीप लेले ने कहा कि उन्होंने एक सुझाव दिया है कि उन्हें मुंबई, ठाणे और अन्य जगहों पर भाजपा महायुति का महापौर होना चाहिए। उन्होंने कहा। अगर उन्हें महानगरपालिका में लाभ के पद नहीं मिले तो क्या वे विपक्ष में बैठेंगे? इस सवाल पर बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि लाभ के पद आदि हमारे अधीन हैं, लेकिन भाजपा का पूरे प्रशासन पर नियंत्रण होगा ताकि लोगों को लाभ हो। साथ ही, हर साल की तरह इस साल भी महाराष्ट्र में वंदे मातरम संघ के सबसे बड़े माघी गणेशोत्सव में देवभाऊ भगवान गणेश का दर्शन के लिए आएंगे। यह विश्वास व्यक्त करते हुए संदीप लेले ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, वन मंत्री गणेश नाईक आदि सहित सभी दलों के नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्यमी, कलाकार गणेशोत्सव में आएंगे।

पहले फोन छीना, फिर चलती ट्रेन से दिया

गिरने के बाद युवक का कटा पैर

ठाणे. ठाणे में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसमें एक लुटेरे ने 30 वर्षीय व्यक्ति का फोन छीन लिया और उसे चलती लोकल ट्रेन से धक्का दे दिया, जिसके बाद उस व्यक्ति ने अपना पैर खो दिया. यह घटना 18 जनवरी की रात लगभग 11:05 बजे घटी, जब पीड़ित रितेश राकेश येरुनकर घर लौट रहे थे. अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने रात करीब 11:05 बजे ठाणे से बदलापुर जाने वाली एक तेज लोकल ट्रेन के लगेज कंपार्टमेंट से अपनी यात्रा शुरू की. लगभग 40 मिनट बाद, जब ट्रेन अंबरनाथ स्टेशन से रवाना हो रही थी, तभी उनके बगल में बैठे एक शख्स ने अचानक उनका फोन छीन लिया.

जब रितेश ने विरोध किया, तो आरोपी ने उसे ट्रेन के दरवाजे के पास धक्का दे दिया. संतुलन खोने की वजह से रितेश चलती ट्रेन से गिर पड़े और उनका बायां पैर रेल की पटरियों पर चला गया. ट्रेन के पहियों ने उनके पैर को कुचल दिया, जिससे घुटने के पास से पैर कट गया. साथ ही सिर के पिछले हिस्से, बाएं गाल पर गंभीर चोटें आईं और आंख के पास काफी चोटें आ गई.

अस्पताल में इलाज और पैर कटने की जानकारी

घटनास्थल पर मौजूद रेलवे पुलिस कर्मियों ने रितेश को तुरंत उल्हासनगर के पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया. अधिकारियों ने बताया कि उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें केईएम अस्पताल रेफर कर दिया गया. अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका पैर काट दिया और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है.

रितेश बदलापुर के निवासी हैं और ठाणे के एक निजी मॉल में कपड़ों की दुकान में काम करते हैं.

आरोपी की गिरफ्तारी और आगे की कार्रवाई

पुलिस ने आरोपी की पहचान कैलाश बालकृष्ण जाधव के रूप में की और उसे गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. आगे की कानूनी कारवाई और घटना के दूसरे पहलुओं की जांच जारी है.

मुंब्रा में रिक्शा चालक बना नगरसेवक

- **सीधे जितेंद्र आव्हाड पर निशाना साधा**

ठाणे. ठाणे मनपा चुनाव में एक रिक्शा चलाने वाला कॉर्पोरेटर बन गया है। इस रिक्शा चलाने वाले ने मुंब्रा के वार्ड नंबर 30 से चुनाव लड़ा था। MIM पार्टी ने इस रिक्शा चलाने वाले को चुनाव मैदान में उतारा था। इस कॉर्पोरेटर का नाम नफीस अंसारी है और वह मुंब्रा इलाके में रिक्शा चलाकर गुज़ारा करता है।

MIM पार्टी ने मुझे मौका दिया...

मुझे यकीन था कि मैं कॉर्पोरेटर बनूंगा। क्योंकि रिक्शा चलाते हुए, मैं लोगों को समझा रहा था कि मैं उनकी समस्याओं को हल करने के लिए क्या करूंगा, साथ ही वार्ड में हो रही गलत हरकतों और हर दिन नागरिकों की समस्याओं का सामना कर रहा था। मैंने पहले से ही कैंपेन शुरू कर दिया था और MIM पार्टी ने मुझे जो मौका दिया, मैंने उसे पूरा करके दिखाया।

नफीस अंसारी ने पहले भी अपनी किस्मत आजमाई थी। लेकिन तब वह फेल हो गया था। लेकिन वह निराश नहीं हुआ और सालों से उसने अपना पब्लिक रिलेशन बढ़ाया। नतीजतन, इस साल वे पार्षद चुने गए। इस बार उन्होंने कहा कि वे फेरीवालों की समस्या, साफ पानी और सबसे ज़रूरी, रिज़र्व ज़मीन को आज़ाद कराने पर काम करेंगे। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान रिक्शा चलाकर भी प्रचार किया। उन्होंने दिन में चुनाव प्रचार और रात में रिक्शा चलाकर अपने परिवार की ज़रूरतें पूरी की हैं।

भिवंडी महापौर पद सर्वसाधारण के लिए आरक्षित

भिवंडी. भिवंडी शहर के प्रथम नागरिक, महापौर पद सर्वसाधारण के लिए घोषित किया गया है.भिवंडी मनपा में महापौर पद सर्वसाधारण की खातिर आरक्षित होने की घोषणा से ही चुनाव जीते सभी राजनीतिक दलों के पुरुष,महिला नगरसेवकों में महापौर उम्मीदवार को लेकर हलचल तेज हो चुकी है. 90 नगरसेवकों वाली भिवंडी मनपा में कौन मनपा की सत्ता पर काबिज होगा अटकलें तेज हो चुकी हैं.

गौरतलब हो कि,90 नगरसेवकों वाली भिवंडी मनपा में कांग्रेस 30,भाजपा 22,एनसीपी शरद पवार 12,शिवसेना 12,कोणार्क विकास आघाड़ी 4,भिवंडी विकास मंच 3,सपा 6 सहित 1निर्दलीय प्रत्याशी की जीत हुई है.मनपा चुनाव में सर्वाधिक नगरसेवक (30) होने का गौरव कांग्रेस पार्टी को मिला है.मनपा चुनाव परिणाम को देखें तो 90 नगरसेवकों की भिवंडी मनपा में महापौर बनाने के लिए किसी भी दल को बहुमत के लिए 47 नगरसेवकों की जरूरत होगी.कांग्रेस पार्टी से चुने गए 30 नगरसेवक अन्य दलों से गठबंधन कर आसानी से भिवंडी मनपा पर महापौर बैठा सकते हैं.मनपा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के खेवनहार और चाणक्य की भूमिका निभाने वाले सपा विधायक रईस शेख कांग्रेस का महापौर बनाए जाने में जीजान से जुटे हैं.

भाजपा विधायक महेश चौगुले भी भाजपा 22 और शिवसेना 12 सहित अन्य दलों को जोड़कर महापौर बनाए जाने की कसरत में जुटे हैं.महापौर बनाए जाने में जुटे दोनों राजनीतिक दलों की निगाहें एनसीपी 12 और सपा 6 नगरसेवकों पर टिकी हैं जिसके बगैर कोई भी दल महापौर बनाए जाने में सफल नहीं हो सकता है.सही मायने में देखा जाए तो मनपा महापौर की चाभी एनसीपी,सपा नगरसेवकों के हाथ में है.

देखना बेहद दिलचस्प होगा कि, मनपा चुनाव जीते हुए 90 नगरसेवक शहर विकास, मूलभूत समस्याओं के समाधान करने वाले महापौर प्रत्याशी को प्राथमिकता देते हैं अथवा आर्थिक फायदे के आधार पर भिवंडी मनपा का महापौर चुनते हैं.आगामी दिनों में भिवंडी मनपा महापौर चुनाव में किसकी लाटरी खुलती है शहरवासियों की निगाहें टिकी हैं.

भिवंडी के नागरिक धूल से हैरान

भिवंडी. आम चुनाव के कारण भिवंडी शहर के विभिन्न हिस्सों में सड़कों के सीमेंट कंक्रीटिंग का काम रुका हुआ है। कई जगहों पर गड्ढों की वजह से सड़कें बदहाल हो गई हैं। गड्ढों से भरी सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों से उड़ने वाली धूल से पैदल चलने वालों, यात्रियों और सड़क किनारे बने भवनों, घरों और दुकानदारों को परेशानी हो रही है।शहर में सड़कों पर धूल उड़ने से वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि हुई है, जिसके चलते महिला नागरिकों और छात्राओं को खांसी और श्वसन संबंधी बीमारियां होने लगी हैं। इसलिए, इस बीमारी का इलाज कराना जरूरी है।

भिवंडी के डॉ. प्रसन्ना सोमन ने महिला नागरिकों और स्कूली छात्रों से अपील की है कि वे सड़कों से उड़ने वाली धूल से खुद को बचाने के लिए मास्क का इस्तेमाल करें और अगर उन्हें थकान महसूस हो या अत्यधिक खांसी हो तो नजदीकी अस्पताल जाकर इलाज कराएं।अब नागरिकों को अस्पतालों और क्लीनिकों की सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ रही हैं, और सरकार से इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान देने की मांग की जा रही है। भिवंडी नगर निगम की ओर सेशहर में अंजुर फाटा और कल्याण नाका के बीच सड़क चौड़ीकरण का काम पिछले महीने किया गया था, जिससे सड़क के किनारे की दुकानों, घरों और इमारतों को नुकसान पहुंचा है।

सड़क पर पत्थर, ईंट, रेत और मिट्टी के ढेर गिर गए हैं। निर्माण कार्य के कारण चारों ओर धूल उड़ रही है और शहर में प्रदूषण फैल गया है। इसके अलावा, शहर के आसपास की सड़कों, जैसे भिवंडी वाडा रोड, भिवंडी अंजुर फाटा चिंचोटी हाईवे, अंजुर फाटा ठाणे हाईवे और भिवंडी पारोल हाईवे पर मरम्मत कार्य चल रहा है, जिसके कारण सड़क से भी धूल उड़ रही है। इस धूल के कारण नागरिकों को काफी परेशानी हो रही है। सड़क पर तेज रफ्तार से चल रहे वाहनों के कारण उड़ने वाली धूल से कई लोगों के घरों और दुकानों में मिट्टी की परतें जमा हो रही हैं। धूल प्रदूषण के कारण पैदल चलने वालों और निवासियों को खांसी और सांस संबंधी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए, नगर प्रशासन और निर्माण विभाग के अधिकारियों से इस मामले पर ध्यान देने की मांग की जाती है।

स्थानीय मांगें मान लेने के बाद 60 KM लंबा मार्च टाला

पालघर. पालघर ज़िले में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया (मार्क्सिस्ट) का 60 किलोमीटर लंबा मार्च, पानी, ज़मीन और जंगल के अधिकारों से जुड़े लंबे समय से रुके हुए मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर निकाला गया था। ज़िला प्रशासन के साथ डिटेल में बातचीत के बाद बुधवार को इसे रोक दिया गया। दो दिन के इस आंदोलन में करीब 40,000 किसानों, मज़दूरों और आदिवासी लोगों ने हिस्सा लिया, जिसका अंत प्रदर्शनकारियों के डेलीगेशन और अधिकारियों के बीच छह घंटे से ज़्यादा चली मैराथन मीटिंग में हुआ।

मार्च के कारण मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक जाम कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया (मार्क्सिस्ट) नेताओं अशोक धावले, डॉ. अजीत नवले, मरियम धावले और MLA विनोद निकोल की लीडरशिप में यह लंबा मार्च चारोटी से शुरू हुआ और इससे मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर बड़ी दिक्कतें हुईं। प्रदर्शनकारियों के ज़िला कलेक्ट्रेट को घेरने के बाद ट्रैफिक पर बहुत असर पड़ा और पालघर-बोइसर रोड बंद कर दिया गया, जिससे आने-जाने वालों, छात्रों और मज़दूरों को परेशानी हुई।

हालात को देखते हुए, बुधवार दोपहर पालघर कलेक्टर के ऑफिस में ठाणे-पालघर डिस्ट्रिक्ट एक्शन कमेटी के साथ एक मीटिंग बुलाई गई। साढ़े छह घंटे की बातचीत के बाद, एडमिनिस्ट्रेशन ने कई लोकल मांगों पर सहमति जताई और लिखकर भरोसा दिया कि बाकी मुद्दों को टाइम-बाउंड तरीके से हल किया जाएगा, जैसा कि दैनिक ग्रुप के मराठी न्यूज़ पोर्टल दिव्य मराठी ने बताया। खास फैसलों में से एक यह था कि पहले से ही ऐसे प्लॉट पर खेती कर रहे किसानों को और जंगल की ज़मीन देने की मांग मान ली गई। एडमिनिस्ट्रेशन ने खेती के तहत और ज़मीन की हद का अंदाज़ा लगाने के लिए ऑन-साइट इंस्पेक्शन करने पर सहमति जताई। यह भी तय किया गया कि बंजर ज़मीन, मंदिर की ज़मीन, चरागाह की ज़मीन और दूसरी कैटेगरी की ज़मीन को एलिजिबल बेनिफिशियरी के नाम पर रेगुलराइज़ करने के लिए पॉलिसी लेवल पर फैसला लिया जाएगा। इस मकसद के लिए, फील्ड इंस्पेक्शन करने और रिकमेंडेशन देने के लिए एक स्पेशल कमेटी बनाई जाएगी।

गोरेगाव-मुलुंड लिंक रोड के अंतिम चरण का काम शुरू

मुंबई. मुंबई के ट्रैफिक से जूझ रहे लाखों यात्रियों के लिए एक राहत भरी खबर है। मुंबई महानगरपालिका की महत्वाकांक्षी गोरेगाव-मुलुंड लिंक रोड परियोजना के चौथे और अंतिम चरण का काम शुरू हो चुका है। बीएमसी ने नाहूर से ऐरोली तक बनने वाले फ्लाईओवर के लिए 1293 करोड़ रुपये की निविदा जारी की है। गोरेगाव-मुलुंड लिंक रोड परियोजना के तहत लगभग 12.20 किलोमीटर का मार्ग बनाया जा रहा है, जिसमें 4.70 किमी की दो भूमिगत सुरंगें भी शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, बीएमसी ने इस प्रोजेक्ट के चौथे चरण के तहत नाहूर से ऐरोली के बीच 1.33 किमी लंबे फ्लाईओवर के लिए 1,293 करोड़ रुपये की निविदा (टेंडर) जारी कर दी है। जीएमएलआर के तैयार होने के बाद गोरेगांव से मुलुंड का सफर मात्र 25 मिनट में पूरा किया जा सकेगा।

ऐरोली के वर्तमान फ्लाईओवर के ठीक ऊपर एक आधुनिक केबल-स्टेड ब्रिज बनाया जाएगा। यह एक दो-मंजिला अरेंजमेंट होगा। 4 बड़े इंटरचेंज: इसमें ठाणे, नाहूर और ऐरोली को जोड़ने वाले 4 अहम इंटरचेंज होंगे, जिससे यात्रियों का सफर बिना किसी सिग्नल पर रुके पूरा होगा। ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे जंक्शन पर ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी और नाहूर, ऐरोली, ठाणे व दक्षिण मुंबई की दिशाओं में जाने वाले वाहन फर्राटा दौड़ सकेंगे।

75 मिनट का सफर अब सिर्फ 25 मिनट में-

वर्तमान में गोरेगाव से मुलुंड जाने के लिए यात्रियों को जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड या घोडबंदर रोड का चक्कर लगाना पड़ता है, जिसमें लगभग 75 से 90 मिनट लगते हैं। लेकिन निर्माणाधीन 12.2 किमी लंबा गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे (गोरेगांव) को सीधे ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे (मुलुंड) से जोड़ेगा।

सलमान खान को मिला दिल्ली हाईकोर्ट से नोटिस

- **चीनी कंपनी ने पर्सनैलिटी राइट्स को दी चुनौती**
- **4 हफ्ते के अंदर एक्टर को देना होगा जवाब**

एक्टर सलमान खान को दिल्ली हाई कोर्ट से नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस चीन की एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) बेस्ड वॉयस-जेनरेशन प्लेटफॉर्म द्वारा दायर याचिका के बाद भेजा गया है। कंपनी ने कोर्ट के उस अंतरिम आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सलमान खान के पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा की गई थी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने 11 दिसंबर 2025 को सलमान खान के पर्सनैलिटी राइट्स सुरक्षित करने का अंतरिम आदेश पारित किया था, जिसके तहत सलमान खान के नाम, तस्वीर, आवाज, शक्ल-सूरत और उनकी सार्वजनिक पहचान से जुड़ी अन्य चीजों के बिना अनुमति इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई थी। यह रोक डिजिटल और कमर्शियल दोनों प्लेटफॉर्म्स पर लागू की गई थी।

यह आदेश सलमान खान द्वारा कोर्ट का रुख करने के बाद दिया गया था। एक्टर ने कोर्ट में याचिका दायर कर शिकायत की थी कि उनकी पहचान का गलत इस्तेमाल AI से बनाई गई आवाजों, डीपफेक वीडियो, फर्जी विज्ञापनों और बिना अनुमति बेचे जा रहे मर्चेंडाइज के जरिए किया जा रहा है। इसके बाद एक्टर के पर्सनैलिटी राइट्स सुरक्षित किए गए थे। अब याचिका दायर करने वाली चीनी कंपनी ने कोर्ट में दलील दी है कि यह अंतरिम आदेश उसके व्यवसायिक कामकाज को प्रभावित करेगा, क्योंकि कंपनी का काम AI के जरिए वॉयस मॉडल तैयार करना है। कोर्ट ने सलमान खान को नोटिस जारी कर इस मामले में चार हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी।

कुराणाचे पठण
इसाले सवाब साठी (कुराण खाणी)

अत्यंत दुःखाने कळविण्यात येते की, आमच्या मातोश्री
स्व. हाजीन जैनब दस्तगीर तहसीलदार
यांचे दिनांक 16/12/2025 रोजी वयाच्या
८६ व्या वर्षी दुःखद निधन झाले.
दिवंगत आत्म्यास अल्लाह तआला जन्नत-उल-फिरदौस अता करे, या सद्भावनेतून त्यांच्या आत्म्याच्या शांती साठी कुराणाच्या पठणचे कार्यक्रम खालीलप्रमाणे आयोजित करण्यात आली आहे –
दिनांक : २५/१/२०२६ रोजी
वेळ : सकाळी १० वाजता
स्थळ : A ब्लॉक 359/717 संविधान चौक कुर्ला कॅम्प उल्हासनगर 4
तरी सर्व नातेवाईक, मित्रपरिवार व आप्तेष्टांनी
उपस्थित रहावे ही नम्र विनंती
दुःखी कुटुंबीय :
श्री सलीम दस्तगीर तहसीलदार,
सौ सालेहा सलीम तहसीलदार व तहसीलदार परिवार

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099